Vol 3 Issue 5 Feb 2014

Impact Factor : 2.1002 (UIF)

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA
UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Review Of Research
Vol. 3, Issue. 5, Feb. 2014
ISSN:-2249-894X
Available online at www.ror.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

'जो राख होने से बचे है अभी तक' में इतिहास बोध

SAROJ BALA

M.A.,M.Phil., UGC-NET(Hindi),B.Ed,
VPO Bhaini Surjanpur,Teh. Meham(RohtaK)

सारांश :

ब्रजेश कृष्ण एक 'मध्यमार्गी' कवि जो काफी बैचेन लगता हुआ सहज कवि है । मुद्राओं वाला कवि वह नहीं है उससे भी बढ़कर अपने और आसपास के बारे में सोचने वाला कवि है जिसका ताना–बाना वर्तमान से अतीत तक दूर–दूर तक फैला है।

प्रस्तावना :

'अन्यथा' पत्रिका में विशिष्ट कवि के रूप में तथा अन्य विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं में कविताएँ प्रकाशित हुई है । अंग्रेजी से हिन्दी में कहानियों एवं लेखों के अनुवाद हुए हैं । ''धीरे से 'अडंरटोन' में अपनी बात कहना एक कवि के रूप में ब्रजेश कृष्ण की बड़ी शक्ति है वह कही से आई नहीं है उसमें खुद भीतर से फूटी है ।''

'जो राख होने से बचे है अभी में' इतिहास बोध :

साहित्य अनेक विधाओं में लिखा जा रहा है । साहित्य का मूल दायित्व मानवीय मूल्यों तथा समाजिक चेतना को उद्‌बुद्ध करना है । मानव और समाज की उपेक्षा करने वाला साहित्य कभी चिरकाल तक टिका नही रह सकता । जिंदगी को सही अर्थों में जीना पौरूष और बुद्धिमता की मांग करता है । दुनिया में प्रायः दो प्रकार का साहित्य पाया जाता है । एक जनता को लूटने खसोटने वाले और लूट खसोट में अपना हिस्सा पाने वाले शासक शोषक वर्ग का साहित्य । शासक शोषक वर्ग का यह साहित्य लूट–खसोट एवं शोषण दमन का समर्थन करता दूसरी तरह का साहित्य जनता की समस्याओं अथवा विशिष्ट समस्याओं को रेखांकित करता है तथा लूट खसोट एवं जन आन्दोलन से पैदा होता है । ये जनसाहित्य देशकाल और परिस्थितियों के अनुसार अलग–अलग रूप धारण करते रहते है ।

'जो राख होने से बचे है अभी में' इतिहास बोध को दिखाया गया है । इतिहास एक न समाप्त होने वाली प्रक्रिया है इसकी मुख्य विषय वस्तु मनुष्य का व्यवहारिक जीवन है इतिहास शब्द का सामान्य अर्थ है– बीती घटनाओं का तथ्यात्मक विवरण, व्यवहारिक रूप से मनुष्य की अब तक की उपलब्धियों का सार इतिहास कहा जा सकता है । अपने में घटनाएं इतिहास नहीं वरन् उसकी घटनाओं का रिर्काड इतिहास है । अनुसंधान द्वारा उपलब्ध अतीत में घटनाएँ इतिहास का मुख्य आधार है इतिहास के लिए अतीत की सीमा निर्धारित करना कठिन कार्य है ।

''पुराणभितिवृतमाख्यायिकोदहारण धर्म शास्त्रमर्थशास्त्रचेतिहास : ।''

'हिरोदोतस' ने इतिहास के चार लक्षण निर्धारित किए है वैज्ञानिकता, मानवीयता, तर्कसंगता तथा शिक्षाप्रदविद्या ।

वह घटनाओं की कोरी नीरस कहानी न होकर ऐसा शास्त्र है जो हमें मानवीय समस्याओं और समाजों के जन्म

और विकास का पूरा ज्ञान करवाता है ।

बोध का समान्य अर्थ विर्मश शक्ति से है जो विवेक और बुद्धि से नियत है । बोध के ऊपर उदात नीचे बोधकता एवं भावुकता है । इसे 'चेतना' के पर्यायवाची शब्द के रूप में भी लिया जाता है।

बोध शब्द सस्कृत की 'बुध' धातु से बना है ।

समसामयिक घटना चक्र में जो केन्द्रीय मूल्य संवेदना उभरती है वही इतिहास बोध है । हर युग में जो घटनाएँ घटती है उनका संवेदनात्मक व्यक्तित्त्व कुछ मानव मूल्यों की सरंचना करता है ये मानव मूल्य ही काल विशेष के इतिहास बोध के प्रतिनिधि प्रतीक होते है ।

साहित्य हमारी इच्छाओं, अनूभूतियों और आकांक्षाओं के साथ–साथ हमारे समय के अन्तर्विरोध, आडम्बर और पाखण्ड़ को समझने और बूझने का कारगर और सम्भावनापूर्ण उपकरण है । और इस तरह मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाने का माध्यम भी बाह्य जगत् और अन्तर्जगत की गहन समझ जिसे हम साहित्य से प्राप्त करते है ।

'जो राख होने से बचे है अभी तक' के भाव पक्षों का वर्णन

कवि कहता है कि मैं अपने चारों और देखता हूँ तो हड़बडिया समय और बैचेन कर देने वाली स्थिति से घिरा रहता हूँ । पिछले पन्द्रह वर्षों में भूमण्डीकरण के चलते यह दुनिया भले ही कुछ लोगों के लिए सिकुड़ कर इतनी छोटी हो गई हो कि मुट्ठी में आ सके, लेकिन इसी समय हम अपने पड़ोसी से भी छिटक कर इतनी दूर जा गिरे है कि एक दूसरे की पहचान खो बैठे है । परिवार और समाज तेजी से धुंधले पड़े रहे है । आर्थिक दबाव और त्रासद स्थितियों के कारण हम पहले से अधिक असहिष्णु हुए है, इसलिए सहज मानवीय दैनिक जीवन की संवेदनाएं अब हमारे मर्म को इतना नही छूती । संचार के चमत्कारों, अविष्कारों, सूचनाओं के विकट जंगल और व्यस्त बाजार की खुदगर्जी ने नई विषमताओं, नई विद्रुपताओं को जन्म दिया है । भयानक हलचल भरे इस समय में साहित्य पहले से भी अधिक जरूरी हो गया है । यह हमें पागल दौड़ से बचाए रखता है । साहित्य हमारी इच्छाओ, अनूभूतियों और आकांक्षाओं के साथ–साथ हमारे समय के अन्तर्विरोध, आडम्बर और पाखण्ड को समझने और जूझने का कारगर और सम्भावनापूर्ण उपकरण है । बाह्म और आंतरिक जगत की गहन समझ जिसे हम साहित्य से प्राप्त करते है, वह हमारी मानवीय चेतना को विकसित करती हैं ।

इनकी कविताओं की रेंज लम्बी है, जो कस्बे, महानगर, विश्व गांव के स्वर्ग, अमेरिका के विभिन्न शहरों तक जाती है । कवि और कविताओं का विशलेषण भी एक आह्लादकारी पाठ से कम नहीं हड़बडिया समय में, लुप्त होती हुई चीजे, घर में तिलचट्टे और कुरुक्षेत्र डायरी, कथ्य और शिल्प दोनों दृष्टियों से ये पाठक के मन को श्रेष्ठ काव्यात्मक आस्वाद तो देती है उन्हें बौद्धिक चिंतन के लिए भी कई प्रश्नों के बीच छोड़ जाती है । जीवन को अरण्य मानता हुआ कवि कहता है जंगल को पार किए बिना पार नही होता जीवन, यह कतार मात्र हिंसक पशुओं से भरा नहीं है, इसी को पार करने की यात्रा में खुद खाना खाने से पहले किसी भूखे को भोजन कराने वाले पिता है, वह गृहणी है जो वृक्ष का स्वप्न देखती है और पृथ्वी का असुख सहती है । अपना सब कुछ पीछे छोड़ आई वह औरत है, जो रात के अंधेरे में किसी अनाम स्टेशन पर उतार दी गई । माँ पर लिखी गई कविताएँ अपना विशिष्ट स्थान बनाए रखे हुए है, उसी तरह किशोरी और पहली बार माँ बनती युवती के सोपानों में बीज से वृक्ष बनती नन्ही परी को देखता है ।

निष्कर्ष :

ब्रजेश कृष्ण की कविताओं में जो बहुमूल्य शिल्पकृतियां निकलकर आती है, वे है– व्यक्ति और समष्टि को लेकर एक प्रतिबद्धता, सामाजिक, राजनीतिक पतन के खिलाफ एक संयत क्रोध, पेती, बुर्ज्वा और संस्कृति पर एक पैनी निग़ाह तथा इतिहास एवं परम्परा के प्रति पुनरुत्थानवादी रूख नहीं बल्कि एक आलोचनात्मक सहानुभूति पूर्ण, पुनर्जीवनवादी दृष्टि है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

आधार ग्रन्थ :–

1ब्रजेश कृष्ण; जो राख होने से बचे है अभी तक आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाणा); प्रथम संस्करण 2010

सहायक ग्रन्थ :–

1.अशोक भाटिया; समकालीन हिन्दी कहानी का इतिहास; भावना प्रकाशन, दिल्ली–110091; प्रथम संस्करण 2003
2.आर्थर मारविक; इतिहास का स्वरूप; ग्रन्थ शिल्पी (इडिया) प्राइवेट लिमिटेड लक्ष्मी नगर (दिल्ली)
3.गोविन्द चातक; आधुनिक हिन्दी नाटक : भाषिक और संवादकीय संरचना; तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली; प्रथम संस्करण 1982

4.चन्द्रकान्त गर्जे; हिन्दी मराठी के ऐतिहासिक उपन्यास; पुस्तक संस्थान; नेहरू नगर, कानपुर 1976
5.जगदीश चन्द्र जोशी; प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक; सरस्वती पुस्तक सदन; आगरा; प्रथम संस्करण संवत् 2016 वि॰
6.दुर्गावती सिंह; आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्येतिहास ग्रन्थों में इतिहास चेतना का अनुशीलन; निर्मल पब्लिकेशनस् (दिल्ली) प्रथम संस्करण 1998
7.धनंजय; हिन्दी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहासतत्व; रचना प्रकाशन, इलाहाबाद संस्करण 1970
8.प्रकाश मनु; सदी के आखिरी दौर में; इद्रप्रस्थ प्रकाशन; दिल्ली; 1998
9.प्रभात शर्मा; हिन्दी नाटक इतिहास दृष्टि और समकालीन बोध; सजय प्रकाशन् अंसारी रोड; दरियागंज नई दिल्ली; प्रथम संस्करण 2006
10.बुद्ध प्रकाश; इतिहास दर्शन; मोती लाल बनारसी दास; वराणसी; उतर प्रदेश प्रथम संस्करण 1996
11.रघुनन्दन राय 'अनुरागी'; वृदावनलाल वर्मा के उपन्यासों के ऐतिहासिक पात्र; समय प्रकाशन्; नई दिल्ली; पटना प्रथम संस्करण 2009

पत्र–पत्रिकाएँ :

1.कृष्ण किशोरी; अन्यथा; अप्रैल 2005; अंक 3
2.इंड़िया टुडे; 28 सितम्बर 2011

[1]श्री कृष्ण किशोरी, अन्यथा, अप्रैल 2005, अंक 3 पृष्ठ संख्या 18

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

* International Scientific Journal Consortium Scientific
* OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net